वि.वि. अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

जबलपुर। आज दिनांक 05 जून 2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माननीया श्रीमति आनंदी बेन जी पटेल, महामहिम एवं कुलाधिपति, म.प्र. शासन, भोपाल की अभिप्रेरणा एवं मार्गदर्शन से वि.वि. के अंतर्गत राष्ट्रीय बेबीनार के माध्यम से **"विश्व पर्यावरण दिवस"** का आयोजन किया गया।

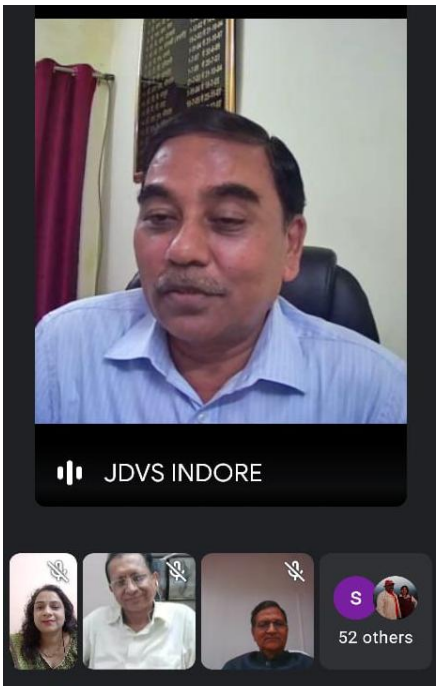

इस राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य अतिथि माननीय श्री जे. एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव, पशुपालन एवं डेयरिंग, म.प्र. शासन, भोपाल, विशिष्ट अतिथि माननीय डॉ. जितेन्द्र जामदार, निर्देशक, जामदार चिकित्सालय जबलपुर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, कुलपति, ना.दे. प.चि.वि.वि., जबलपुर द्वारा की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय श्री कंसोटिया जी ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि पशुधन के स्वास्थ्य एवं उनके उत्पादन मे पर्यावरण के सुधार एवं प्रभाव की महत्ती आवश्यकता है। इसी के परिणामस्वरूप प्रदेश का किसान/पशुपालक एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से ही सशक्त हो सकता है और कृषि आय वृद्धि में दो–गुनी वृद्धि करते हुये, आत्मनिर्भर बन सकता है। इस उद्‌बोधन की श्रंखला में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि माननीय डॉ. जामदार जी ने अपने उद्‌बोधन में कोविड–19 (कोरोना) संक्रमण की वैश्विक महामारी के प्रकोप से पर्यावरण द्वारा ही न केवल मानवों वरन हमारे पालतू पशुओं के स्वास्थ्य को उत्तम बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करते है। जो कि वर्तमान में प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन के द्वारा ही संभव है। कार्यक्रम की श्रंखला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति महोदय जी ने वि.वि. अंतर्गत विगत वर्षो एवं वर्तमान में पर्यावरण की दिशा में किये जा रहे सुरक्षा एवं वृहद पौधारोपण (विभिन्न प्रजातियों) के पौधें का संरक्षण एवं संवर्धन वि.वि. के 03 पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालयों, मत्स्य विज्ञान महाविद्यलय, 05 पशु चिकित्सा पत्रोपाधि पाठ्यक्रम महाविद्यालयों एवं विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से विकसित संचालित पशुपालन तकनीकियों को पशुपालकों के द्वार तक अलग आयामें के माध्यम से पहुॅचाया जा सकता है। विगत दिवस वि.वि. द्वारा गोद लिये 15 ग्रामों में कोविड–19 टीकाकरण प्रोत्साहन अभियान भी निरंतर गति से चलाय जा रहा है, जिसके द्वारा लगभग 880 ग्रमीणजनों को प्रेरित करते हुये सफलतापूर्वक टीककरण कराया गया। राष्ट्रीय वेबीनार, कार्यक्रम में डॉ. भास्कर सिन्हा सह. प्राध्यापक व चेयर पर्सन, सेंटर फार क्लायमेंट चैंज स्टेडीज, आई.एफ.एम., भोपाल एवं डॉ. ऐलीजावेश थामस, सहायक सदस्य व सचिव, म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल ने अपने–अपने

पर्यावरण से संबंधित विषयों की पावर पांईट प्रस्तुतीकरण के द्वारा तकनीकी जानकारियों को सभी से साझा किया गया।

राष्ट्रीय वेबीनार में वि.वि. के सभी महाविद्यालयों एवं प्रक्षेत्र इकाईयों के संचालकगण, अधिष्ठातागण, प्राध्यापकों, छात्रों, छात्राओं एवं वैज्ञानिकों की सक्रिय रूप से सहभागी रही। राष्ट्रीय वेबीनार के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठता, डॉ. सचिन जैन, ने सदस्य के रूप में आयोजन समिति के कार्यों का संपादन सफलतापूर्वक किया। राष्ट्रीय वेबीनार कार्यक्रमें का संचालन डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. श्रद्धा श्रीवास्तव, डॉ. मनोज अहिरवार एवं आभार प्रदर्शन डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर